अंक योजना

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2026-27

हिंदी (पाठ्यक्रम-अ)

विषय कोड (002)

कक्षा-दसवीं

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- वस्तुपरक प्रश्नों के उत्त
- रों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए |
- अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं |
- यदि परीक्षार्थी इन उत्तर बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ |
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न	**उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु**	**अंक और अंक विभाजन**
	खंड - क **(अपठित बोध)**	14
1	अपठित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	7
(I)	(B) भारत के स्वर्णिम अंतरिक्ष अध्याय की सही विकल्प B है क्योंकि गद्यांश में कैप्टन शुभांशु शुक्ला के माध्यम से भारत की वर्तमान अंतरिक्ष उपलब्धि पर चर्चा की गई है		1
(II)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है सही विकल्प C है कथन - ये शब्द नील आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा पर कदम रखते हुए कहे थे | कारण कथन की सही व्याख्या करता है क्योंकि यह सफ़लता मानवता के उत्थान से जुड़ी है		1

(III)	(D) कथन (ii), (iii) और (iv) सही हैं सही विकल्प D है | कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने 27 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर कदम रखा, यह भारत की अंतरिक्ष विज्ञान में उपलब्धि है और इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पहचान भी बनी है | यह मिशन युवाओं को प्रेरणा देने वाला भी है |	1
(IV)	• भारत ने अंतरिक्ष की यात्रा 1969 में इसरो की स्थापना से शुरू की थी | • 1984 में राकेश शर्मा सोवियत अंतरिक्षयान के जरिए अंतरिक्ष में गए | • राकेश शर्मा के बाद शुभांशु शुक्ला दूसरे भारतीय बने जिन्होंने अंतरिक्ष की यात्रा की | • 2025 में शुभांशु शुक्ला का आईएसएस पर पहुँचना इस बात का संकेत है कि भारत अब 'मानव अंतरिक्ष युग' में प्रवेश कर चुका है | • यह मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ता है। • यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में भारत की बढ़ती साख को मजबूत करती है। (केवल दो बिंदु अपेक्षित)	2
(V)	• बच्चों और युवाओं के मन में 'मैं' भी कर सकता हूँ की भावना तब जागृत होती है, जब उनके सामने किसी को अभूतपूर्व सफ़लता मिलती है | • इस मिशन की सफ़लता ने बच्चों और युवाओं को सपने बड़े देखने और मेहनत करने की प्रेरणा दी है | • यह मिशन भारत के हर युवा, वैज्ञानिक और नागरिक की उम्मीदों की उड़ान है | (केवल दो बिंदु अपेक्षित)	2
2	अपठित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	7
(I)	(D) मेहनती और दृढ़-निश्चयी लोगों का गुणगान सही विकल्प D है | प्रस्तुत कविता में कवि ने मेहनती और दृढ़-निश्चयी लोगों का गुणगान किया है |	1
(II)	(B) मैं नया इंसान हूँ इस यज्ञ में सहयोग दूँगा सही विकल्प B है | जो भाव दिया गया है वह कविता की इस पंक्ति से मेल खाता है |	1
(III)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है	1

	सही विकल्प C है | कथन सही है जो लोग कठिनाइयों और बाधाओं को तोड़कर आगे बढ़ते हैं, वे ही समाज को गढ़ते हैं | कारण कथन की सही व्याख्या करता है | उदाहरणार्थ हमारे महापुरुषों ने कड़ी मेहनत से, बाधाओं का सामना करते हुए भारत का निर्माण किया |	
(IV)	• मानव जीवन का श्रेष्ठतम यज्ञ कवि ने परिश्रम को माना है | • परिश्रम सफलता का मूल आधार है। • हमारे जीवन में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिश्रम ही एकमात्र साधन है। (केवल दो बिंदु अपेक्षित)	2
(V)	• संपूर्ण कविता साहस, संघर्ष और श्रम शक्ति के बल पर आगे बढ़ने का संदेश देती है | • इतिहास गवाह है कि हमारे महापुरुषों ने मेहनत के आधार पर सुखी समाज का निर्माण किया। • जैसे "जो भगीरथ नीर की निर्भय शिराएँ मोड़ते हैं" और "जो खदानें खोदते हैं, लौह के सोए असुर को कर्म-रथ में जोतते हैं"। ये पंक्तियाँ मेहनत, शक्ति और संघर्ष को दर्शाती हैं। (केवल दो बिंदु अपेक्षित)	2
	खंड - ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	16
3	निर्देशानुसार **'रचना के आधार पर वाक्य भेद'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित:	4x1=4
(I)	चैत आते ही टेसू के फूल दहकने लगे | (सरल वाक्य)	1
(II)	जो घड़ी उसके पास थी, वह ठीक नहीं थी | (मिश्र वाक्य)	1
(III)	बाबू जी रामायण का पाठ करते और हम उनकी बगल में बैठे रहते | (संयुक्त वाक्य)	1
(IV)	मिश्र वाक्य	1
(V)	क्रियाविशेषण उपवाक्य	1
4	निर्देशानुसार **'वाच्य'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित:	4x1=4
(I)	लेखिका के पिताजी द्वारा रसोई को भटियारखाना कहा जाता था | (कर्मवाच्य)	1
(II)	बालगोबिन भगत ने पतोहू को मायके भेज दिया | (कर्तृवाच्य)	1
(III)	चोट लगने के कारण उससे चला नहीं जा सका | (भाववाच्य)	1
(IV)	कर्मवाच्य	1

(V)	कर्तृवाच्य	1
5	निर्देशानुसार **'पद परिचय'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के रेखांकित पदों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित:	4x1=4
(I)	**<u>अभिमन्यु</u>** - संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक	1/2+1/2=1
(II)	**<u>यह</u>** - विशेषण, सार्वनामिक विशेषण, विशेष्य 'पुस्तक', एकवचन, स्त्रीलिंग	1/2+1/2=1
(III)	**<u>देखा था</u>** - क्रिया, सकर्मक क्रिया, भूतकाल, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य	1/2+1/2=1
(IV)	**<u>धीरे-धीरे</u>** - क्रिया विशेषण, रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'बढ़ने लगी' क्रिया की विशेषता	1/2+1/2=1
(V)	**<u>वाह</u>** - अव्यय, विस्मयादिबोधक अव्यय, प्रसन्नता सूचक	1/2+1/2=1
6	निर्देशानुसार **'अलंकार'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के अपेक्षित उत्तर	4x1=4
(I)	मानवीकरण अलंकार	1
(II)	उपमा अलंकार	1
(III)	अतिशयोक्ति अलंकार	1
(IV)	रूपक अलंकार का उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य	1
(V)	उत्प्रेक्षा अलंकार का उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य	1
	खंड - ग (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)	30
7	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प वाले अपेक्षित उत्तर :	5x1=5
(I)	(B) सभ्य मानव सही विकल्प B है | संस्कृत मानव की संतान ने किसी नयी चीज़ की खोज नहीं की उसे वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हुई है |	1
(II)	(D) जो किसी नयी चीज़ की खोज करता हो सही विकल्प D है | लेखक के अनुसार जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य की खोज की, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है	1
(III)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है सही विकल्प C है | कथन सही है क्योंकि 'संस्कृत' व्यक्ति की संतान ने किसी नई चीज़ की खोज नहीं की | कारण कथन की सही व्याख्या करता है क्योंकि संस्कृत व्यक्ति की संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हुई है |	1
(IV)	(D) कथन (i) और (iii) सही हैं	1

	सही विकल्प D है | गद्यांश के अनुसार कथन i और iii के तथ्य गद्यांश से मेल खाते हैं |	
(V)	(A) विकल्प (i) और (iv) सही हैं सही विकल्प A है | एक संस्कृत व्यक्ति में आम लोगों से अलग गुण- नई खोज करना और अपनी बुद्धि, विवेक के बल पर आविष्कार करना होते हैं |	1
8	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से **किन्हीं तीन प्रश्नों** के **लगभग 25-30** शब्दों में अपेक्षित उत्तर :	3x2=6
(I)	'बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानीवाली' इस कथन के द्वारा बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व को स्पष्ट किया गया है : • बालगोबिन वृद्ध हो गए थे, परंतु उनके नित्य-नियम में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं आया था। • वे हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी (जीवन के अंतिम क्षणों में) गंगा स्नान करने गए थे। • इस बीच वे उपवास रखते थे। किसी से कोई सहायता नहीं लेते थे। • वृद्धावस्था में पहुँचकर भी उन्हें किसी का आश्रय लेना मंजूर नहीं था। • जवानी से लेकर जीवन के अंतिम समय तक यह क्रम चलता रहा। यही आदर्श व्यक्तित्व उनका जीवन भर रहा। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
(II)	लेखिका मन्नू भंडारी को साधारण से असाधारण बनाने में उनकी हिंदी अध्यापिका 'शीला अग्रवाल' ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। • उनके साथ की गई लंबी बहसों ने लेखिका को साहित्य समझने की दृष्टि प्रदान की। • अनेक महत्त्वपूर्ण लेखकों को पढ़ने का सुझाव देकर शीला जी ने मन्नू के चिंतन और मनन को सँवारा । • उन्हें साहसी और आत्मविश्वासी बनाया। • उन्होंने ही असाधारण क्षमता का परिचय कराते हुए लेखिका को देश के स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदार बनाया। • उनकी जोशीली बातों से ही लेखिका की रगों का खून लावा में बदल गया। • शीला अग्रवाल जी ने मन्नू के व्यक्तित्व को निखार कर खरा सोना बना दिया। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
(III)	बिस्मिल्ला खाँ सच्चे अर्थों में 'भारत रत्न' थे क्योंकि :	2

	• भारतीयता के जीवन-मूल्य सांप्रदायिक सद्भावना, देशभक्ति, विनम्रता, सादगी, हुनर और साधना जैसे गुण उनमें कूट-कूट कर भरे थे | • 'भारत रत्न' व अन्य उपाधियाँ जैसे पद्मविभूषण, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार व अन्य सम्मान प्राप्ति के बाद भी घमंड उन्हें छू तक नहीं गया था | • बिना धन-लालसा के वे जीवन पर्यंत सुरों की साधना सादगी के साथ करते रहे । (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
(IV)	• यदि लेखक ने खीरा खा लिया होता, तो संभव है कि नवाब साहब भी खीरा खा लेते। • लखनवी अंदाज़ पाठ में नवाब साहब अपनी शान और आत्म-सम्मान को बनाए रखने के प्रयास में थे। • लेखक की उपस्थिति और उसके द्वारा खीरा न खाने से नवाब साहब को अपने दिखावे को बनाए रखना पड़ा। • वे भी खीरे का आनंद लेना चाहते थे, लेकिन समाज में नवाबी स्थिति और शिष्टता के कारण वे खीरा नहीं खा पा रहे थे। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
9	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प वाले अपेक्षित उत्तर :	5x1=5
(I)	(C) फागुन माह में आने वाली वसंत ऋतु का वर्णन सही विकल्प C है | कविता में कवि ने फागुन माह में आने वाली वसंत ऋतु का वर्णन किया है |	1
(II)	(D) कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं | सही विकल्प C है | फागुन माह में प्रकृति में जो परिवर्तन होते हैं वे कथन i, ii और iii में दिए गए हैं |	1
(III)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है | सही विकल्प C है | कथन सही है फाल्गुन की सुंदरता अतिशय है और कारण कथन की सही व्याख्या करता है कि प्राकृतिक सौंदर्य धरती पर समा नहीं रहा है और चारों ओर बिखरा हुआ है |	1
(IV)	(B) प्रकृति	1

	सही विकल्प B है | यह कविता कवि के प्रकृति प्रेम को दर्शाती है | कविता में वसंत ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोरम वर्णन है |	
(V)	(A) प्राकृतिक सौंदर्य की ओर से सही विकल्प A है | चारों ओर बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य से कवि अभिभूत है इसलिए वह प्रकृति से अपनी आँख हटा नहीं पा रहा है |	1
10	निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर **लगभग 25-30** शब्दों में लिखिए :	3x2=6
(I)	'सूरदास अब धीर धरहि क्यों ?' (अब हम धीरज क्यूँ धरें, कैसे धरें), यह प्रश्न गोपियों की विरह-वेदना के चरमोत्कर्ष को दर्शाता है | जैसे : • 'अवधि अधार आस आवन की' - कृष्ण के आगमन की अनिश्चित प्रतीक्षा उन्हें तन-मन से 'बिथा सही' (पीड़ा सहने) को विवश करती है | • 'अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि'-उद्धव द्वारा दिए गए योग-संदेश उनकी वेदना को 'बिरहिनि बिरह दही' (विरहिनी को विरह से जलाने) जैसा बना देते हैं | • "मरजादा न लही" - सामाजिक मर्यादा टूट चुकी है। वे स्वीकार करती है कि उन्होंने हर संभव गुहार लगाई (चाहति हुतीं गुहारि) पर सब व्यर्थ रहा | • इस प्रकार यह पंक्ति गोपियों की मनःस्थिति में निराशा, आकुलता और भावनात्मक व्यथा को समेटे हुए है | (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
(II)	• कवि के अनुसार इस छोटे से जीवन में उन्होंने अभी तक सुनाने लायक कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की है | • कवि मानते हैं कि अपनी व्यथा को प्रकट करने के बजाय दूसरों की कहानियाँ सुनना अधिक सार्थक है | • वे नहीं चाहते कि उनकी भोली व्यथा दूसरों के मनोरंजन और उपहास का विषय बने | • अतः मौन ही गरिमामय विकल्प है । (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
(III)	• 'यह दंतुरित मुसकान" कविता में बच्चे और कवि के बीच का संबंध मुख्यतः संवादहीन है, फिर भी अत्यंत गहन और भावपूर्ण है | • बच्चे की दंतुरित मुसकान ही मुख्य संचार का माध्यम है | यह मुसकान कवि को अपार सुंदरता ('छविमान') का अनुभव कराती है |	2

	• यह संवादहीन संबंध शब्दों से परे, हृदय से हृदय का जुड़ाव है, जो एक मासूम मुसकान और एक स्नेहिल दृष्टि से ही पूर्ण हो जाता है। • कवि एक "अतिथि" और "अन्य" (पराया) है। बच्चा उसे बिना पलक झपकाए लगातार देख रहा है ("देखते ही रहोगे अनिमेष!"), शायद उसे पहचान नहीं पाता ("तुम मुझे पाए नहीं पहचान ?")। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
(IV)	• यह पंक्ति संगतकार के स्वर में निहित सबसे शक्तिशाली और आशावादी संदेश को व्यक्त करती है | • आशा, पुनरुत्थान और अवसर की अनंतता का विश्वास | • संगतकार के इस सरल कथन - "फिर से गाया जा सकता है" - में अथाह सांत्वना और शक्ति है। वह असफलता को अंत नहीं मानता। यह विश्वास दिलाता है कि क्षणिक विफलता स्थायी नहीं है, थकान ठहराव नहीं है। • संगीत (राग) शाश्वत है; उसे दोबारा शुरू किया जा सकता है, फिर से प्रयास किया जा सकता है। यह हार न मानने, लचीलापन दिखाने और नए सिरे से शुरुआत करने के प्रति विश्वास जगाता है। • "गाया जा चुका राग" यह स्वीकारोक्ति है कि प्रदर्शन बाधित हुआ, लेकिन 'फिर से गाया जा सकता है' उससे कहीं बड़ा आश्वासन है कि अवसर अभी खत्म नहीं हुआ। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
11	पूरक पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से **किन्हीं दो प्रश्नों** के उत्तर **लगभग 50-60** शब्दों में लिखिए :	2x4=8
(I)	• 'माता का अँचल' पाठ में खेती का खेल ग्रामीण समाज की आर्थिक संरचना का बाल सुलभ प्रतिबिंब है | • बच्चों ने घिरनी से कुआँ, मूँज की रस्सी से रस्सा, और कंकड़ों को बीज बनाकर खेती की पूरी प्रक्रिया नकली रूप में दोहराई। वे "ऊँच-नीच में बई कियारी जो उपजी सो भई हमारी" जैसे लोकगीत गाते हुए फसल काटते, उसे रौंदते और कसोरे से ओसाते थे। • यह दिखाता है कि बचपन से ही गाँव के बच्चे खेती के संघर्ष, सहयोग और उत्सव से परिचित थे। • गीतों में छिपा "ऊँच-नीच" का भाव भूमि विषमता और सामूहिक श्रम की महत्ता को भी उजागर करता है। • इस तरह यह खेल ग्रामीण जीवन का सूक्ष्म दस्तावेज़ है | (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	4

(II)	• लेखिका ने सीमा पर तैनात सैनिकों के जीवन को 'मौत को झुठलाने' वाला संघर्ष बताया है | • कटाओ जैसे दुर्गम इलाके में, जहाँ तापमान माइनस 15° सेल्सियस होता है, सैनिकों का निरंतर ड्यूटी में तैनात रहना उनके अदम्य साहस को दर्शाता है | • एक सैनिक का वाक्य–"आप चैन की नींद सो सकें, इसीलिए तो हम यहाँ पहरा दे रहे हैं"– लेखिका को गहराई तक विचलित कर देता है | • छावनी पर लिखा नारा 'वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो' उनके समर्पण का प्रतीक है| • लेखिका इस अनुभव से नागरिक और सैन्य जीवन के बीच की खाई को रेखांकित करती हैं–जहाँ शहरी आराम सीमा के कष्टों पर टिका है | • यह भाव उनकी राष्ट्रीय चेतना और सैनिकों के प्रति कृतज्ञता को उजागर करता है | (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	4
(III)	'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर • भीतरी विवशता मन की वह प्रबल अनुभूति और बेचैनी है, जो लेखक को अपनी अनुभूति को शब्दों में व्यक्त करने के लिए विवश करती है। • अज्ञेय जी के अनुसार लेखक के भीतर कुछ ऐसी अनुभूतियाँ होती हैं, जिन्हें वह दूसरों तक पहुँचाना चाहता है। • जब तक वह उन्हें लिखकर व्यक्त नहीं कर देता, तब तक उसके मन को शांति नहीं मिलती। इसे ही भीतरी विवशता कहा गया है। • अज्ञेय जी ने इस बात को स्पष्ट करने के लिए अपनी प्रसिद्ध कविता **'हिरोशिमा'** की चर्चा की है। • उन्होंने बताया है कि कविता लिखना उनके लिए किसी बाहरी दबाव का परिणाम नहीं, बल्कि भीतर की अनुभूति को व्यक्त करने की आवश्यकता थी। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	4
	खंड - घ **(रचनात्मक लेखन)**	20
12	निम्नलिखित तीन विषयों में से **<u>किसी एक</u>** विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग **120 शब्दों** में **एक अनुच्छेद** लेखन अपेक्षित: **<u>अनुच्छेद लेखन</u>** • आरंभ 1 अंक • विषयवस्तु 4 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक	1x6=6

13	किसी एक विषय पर **लगभग 100 शब्दों में पत्र** लेखन अपेक्षित : **<u>पत्र-लेखन</u>** • प्रारूप (प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ) 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक	1x5=5
14	**लगभग 80 शब्दों** में एक स्ववृत लेखन **अथवा** ई-मेल अपेक्षित: **<u>स्ववृत लेखन</u>** • प्रारूप 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक **अथवा** **<u>ई-मेल</u>** • प्रारूप 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक	1x5=5
15	**लगभग 40 शब्दों में** विज्ञापन अथवा संदेश लेखन अपेक्षित: **<u>विज्ञापन लेखन</u>** • रचनात्मक प्रस्तुति 1 अंक • विषयवस्तु 2 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक **अथवा** **<u>संदेश लेखन</u>** • प्रारूप 1 अंक • विषयवस्तु 2 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक	1x4=4